भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 5722
दिनांक 04.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की यात्रा

5722. **श्री सुधीर गुप्ताः**
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतरावः
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने हाल ही में भारत की यात्रा की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यात्रा के दौरान किन मुद्दों पर चर्चा की गई;
(ग) उक्त यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित द्विपक्षीय व्यापार समझौतों/करारों का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार का वर्ष 2015 से रुकी हुई द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) संबंधी वार्ता को पुनः शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य पैठ को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए भी किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री पबित्र मार्गेरिटा]

(क) जी,हां ।

(ख) प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री माननीय क्रिस्टोफर लक्सन 16-20 मार्च 2025 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए। उनके साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया था, जिसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, व्यवसायी, मीडिया और न्यूजीलैंड में भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य शामिल थे।
भारत और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्रियों के बीच रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, शिक्षा और खेल, पर्यटन और लोगों से लोगों के संबंधों सहित द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण दायरे को कवर करने वाली चर्चा हुई। दोनों प्रधानमंत्रियों ने बहुपक्षीय सहयोग सहित वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री लक्सन ने माननीय राष्ट्रपतिजी से मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री और रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जेपी नड्डा सहित कई गणमान्य लोगों ने प्रधानमंत्री लक्सन से मुलाकात की। प्रधानमंत्री लक्सन 17 मार्च 2025 को नई दिल्ली में 10वें रायसीना डायलॉग 2025 के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

और मुख्य भाषण दिया।मुम्बई में प्रधानमंत्री लक्सन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सी.पी. राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस के साथ भारत, विशेषकर महाराष्ट्र राज्य और न्यूजीलैंड के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की।

(ग) यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच की गई घोषणाओं और हस्ताक्षरित द्विपक्षीय समझौतों का ब्यौरा इस प्रकार है:

घोषणाएं **-**

i. भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता शुरू करना;

ii. पेशेवरों और कुशल श्रमिकों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने वाली व्यवस्था पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच वार्ता का शुभारंभ;

iii. न्यूजीलैंड हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) में शामिल हुआ;

iv. न्यूज़ीलैंड आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) का सदस्य बन गया

द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर **-**

i. भारत के रक्षा मंत्रालय और न्यूजीलैंड के रक्षा मंत्रालय के बीच रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन;

ii. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) और न्यूजीलैंड सीमा शुल्क सेवा के बीच अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर - पारस्परिक मान्यता समझौता (एईओ-एमआरए);

iii.भारत के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा न्यूजीलैंड के प्राथमिक उद्योग मंत्रालय के बीच बागवानी पर सहयोग ज्ञापन;

iv.भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और न्यूजीलैंड के प्राथमिक उद्योग मंत्रालय के बीच वानिकी पर आशय पत्र;

v.भारत गणराज्य के शिक्षा मंत्रालय और न्यूजीलैंड के शिक्षा मंत्रालय के बीच शिक्षा सहयोग समझौता;

vi.भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और न्यूजीलैंड सरकार के स्पोर्ट न्यूजीलैंड के बीच खेल में सहयोग ज्ञापन।

(घ) भारत और न्यूजीलैंड ने एक व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता शुरू करने की घोषणा की। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का उद्देश्य संतुलित परिणाम प्राप्त करना है जो आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को बढ़ाए और बाजार पहुंच में सुधार करे।

(ङ) यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित द्विपक्षीय दस्तावेजों और की गई घोषणाओं का उल्लेख भाग (ग) में किया गया है। न्यूजीलैंड के साथ भारत के संबंध अपने खुद के आधार पर मजबूत बने हुए हैं, और किसी तीसरे देश की कार्रवाई से स्वतंत्र हैं।

*****